



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Riyansh Yash Gajjar

Donated His: Kidney, Liver & Corneas

Date:- 03/01/2024

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे� के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

Infant's organs give life to five children

MELVYN THOMAS / SURAT

In a testament to the power of hope amid unthinkable grief, 20-month-old Riyansh Gajjar has become a beacon of life for five other children in desperate need of organ transplants.

The family of Riyansh, who was declared brain dead after a tragic fall, guided by Surat-based Donate Life NGO, decided to donate his vital organs. The act spread hope across two states.

"Losing Riyansh was the most unbearable pain," shared Yash Gajjar, the boy's father, who works as an executive in the home loan department of HDFC Bank. "But when Donate Life ex-

plained how Riyansh could live on through others, we knew it was the right thing to do. He may be gone, but his spirit will live on, giving other children a second chance."

Riyansh's fall from the balcony at his home on December 28 left him with severe head injuries. Despite valiant efforts by doctors at a private Surat hospital, the child became brain dead on January 1.

Donate Life stepped in, offering solace and guidance to Riyansh's grieving family.

"A conversation about organ donation can be difficult, especially in the face of such immense loss," acknowledged Nilesh Mandlewala, Director of Donate Life. "But Riyansh's



parents, Yash and his wife, showed incredible courage and compassion. They understood that in letting go, they were giving others a chance to hold on."

Riyansh's corneas were donated to the Surat-based Lok

Drashti Eye bank. His kidneys were transported to the Institute of Kidney Diseases & Research Centre (IKDRC) in Ahmedabad, 233 kilometres away.

For his liver, destined for Nanavati Hospital in Mum-

bai, a green corridor was created for the first time between Surat and Mumbai to help traverse the 281-kilometre stretch in record time. This life-giving relay race ensured Riyansh's liver reached its recipient within the crucial window for transplantation.

"Riyansh's story has touched hearts across the city and beyond. His tiny hands, though stilled, have reached out to five others, offering them a chance to laugh, play, and grow up, just as he once did. In his passing, Riyansh has become a symbol of hope, a reminder that even in the face of tragedy, the human spirit can find the strength to give life," said Mandlewala.

महादान • दक्षिण गुजरात में अब तक डोनेट लाइफ संस्था द्वारा 1205 अंगों और टिशु का दान करवाया गया है 20 माह के ब्रेनडेड रियांश के अंगदान से पांच लोगों को मिला नया जीवन, पहली बार सूरत से मुंबई तक बनाया ग्रीन कॉरिडोर

देव चिपटेर | सूत

फलमधुर के 20 माह के ब्रेनडेड रियांश यथ गवर के अंगदान से चांच लेने को नया जीवन मिल गया है। दान में मिल लीवर 12 वर्षीय बच्चे में स्फसनात्मक ट्रांसप्लान्ट किया गया। लीवर को मुंबई भेजने के लिए पहले बार मढ़क के गांव सूरत से मुंबई तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। दोनों किडनी अल्फाट्रान्स्प्लान्ट किया गया। दोनों किडनी अल्फाट्रान्स्प्लान्ट किया गया। जिसमें सूरत शहर, सूरत से मुंबई तक 281 किमी का ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। जिसमें सूरत शहर, सूरत ग्रामीण, नवसारी ग्रामीण, बलसाड ग्रामीण और महाराळ के विभिन्न जिलों की मुहिम ने सहायता किया। ग्रामजल लॉटरी से मुंबई तक ग्रीन कॉरिडोर बनाने के लिए महाराळ के उपर्युक्त विभागों के कार्यकारी और विशेषज्ञ में किया गया।

बेटा रियांश 28 दिसंबर को देर शाम घर की पहली मंजिल से नीचे गिर गया था

पालनपुर ग्रामकाले बौद्धिम निवासी यश गवर अंडाजन विचल एक बैंक में कमज़ोरी है। उनका 20 माह का बेटा रियांश 28 दिसंबर को देर शाम घर के पहली मंजिल से नीचे गिर गया। जिसमें उसके सर में गंभीर चोट आई थी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टर्स ने 1 जनवरी को उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया। सूरत मिलने पर डोनेट लाइफ संस्था के प्रमुख निलेश मांडसेखाना ने रियांश के पीछावाले से संपर्क कर अंगदान के बारे में बताया।



देरा और तिदेश में कुल 1106 लोगों को नया जीवन दिया

सूरत स्थित विद्युत गुजरात में डोनेट लाइफ संस्था द्वारा कुल 1205 अंगों और टिशु का दान करवाया गया जिसमें से 494 किडनी, 213 लीवर, 50 हाथ, 46 फेलिडा, 8 पेनकिलाज, चार लहू, एक छोटी आंत और 389 कार्निया का दान करके देरा और तिदेश में कुल 1106 लोगों को नया जीवन दिया है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, तिवर, हृत्याटान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

मासूम रियांश की किडनी, लीवर और आंखें दान कर पांच बच्चों को नया जीवन दिया : निलेश मांडलेवाला

नए साल की शुरुआत में डोनेट लाइफ संस्था ने सूरत के एक बीस माह के बचे के अंग दान विए

अनुच्छेद विन्दुस्तान
संचारदाता

मूरत, भी मुस्तों परामार्शक ममाल के इतिहासिकी विद्या वह गजर के परिवार ने डोमेन लालक संस्था के मालव में 20 मह के विद्यार्थी की किडनी, स्लैक और आईटी दान का पाप बच्चों को नुस्खा जीवन विद्या, मनकान्ति को शुद्धता फैसला और समाज को नई दृष्टिकोण दिया। मुख्य के जनकारी अस्पताल में 12 मह के बच्चे का लिप्त ट्रायलस्टार्ट किया जाएगा, अमानदाराद के अंतर्भुक्तीकरण में दो जनकान्तिपद बच्चों की दोनों किडनी ट्रायलस्टार्ट की जाएंगी। मूल से मुख्य तक प्रवर्तन के लिए पहली बार मूल से मुख्य तक 281 विलोनेटर वह जीन क्रिटिकर बनाया गया। विद्यमें मूल गहर, मूल गंध, नवमारी गंध, जनकान्ति पुरिसम और लालकाट के विभिन्न पुरिसम वह मालविंग प्राप्त हुआ। उत्तरविधि के लिए गुरुतव में विलोनेटर चेक चेकर से मुख्य में नामांकित अस्पताल का प्रीवी विकासकर के लिए मालवाट के विषयक विवादों से भी दैनेन्द्र फ़डगांवसमीजी ने चीज़े में खेड़े परिवर्तन और जागरूण किया। चीज़े, 104, अकाल रेण्डीडी, गांवनाम-जैनाल देह, जिन्हें विशेष संविधि के पास, गांवनाम-मूल और वश अंजय कुमार गजर का बेटा एचडीएफी चैंप, अदाजान में होम लौन विभाग में सेवा एकलोक्षिति के रूप में कार्यरत है। उक्ता जीस महीने वह वशा 28 दिवसर वह अपने पांच बड़े बच्चों मध्ये भवित्व में रहा तुरंटनालय नीचे जिसे के बाद डमके सिंगे में गंगेर चोटे आई। पिता वश और परिवार के अन्य सदस्य उसे तृतीय ढू. अमर विक्रम लहरीस्टार्ट ले गए। मैलन चंचलीरी के इत्तमके के लकड़ी भर्ती कालया गया। 1 जनवरी को वह बाल दोगे विशेषज्ञ और मूल विशेषज्ञ, और बाल दोगे विशेषज्ञ व्यापारिकर्तायां ती. मर्कें डेट्रीन ने विशेषज्ञ के बैन डेंगे होने को जनवरी की दूसरी लालक टीम अस्पताल वहीं और रिपोर्ट के लिए गया, यह खबरी,



देवेन्द्र फडणवीसजी ने बॉर्डर से ग्रीन कॉरिडोर के लिए सीधे पर्यवेक्षण और सहयोग किया।

मधुक मार्ग से स्थान पर सूरत से मुख्य निवार पहुँचने के लिए वाहनी बाल सूरत से मुंगेर तक 281 किमी का दूरी कठींदीर बालांग गढ़ और रियां को 225 किमी से मुख्य जापानी अस्यासां पहुँचाया गया। जिसमें सूरत जाल, सूरत चेट, बलसरी चेट, बलवाड़ पुलिम और मालांगरु के निवार वित्त उपाय का स्थानपैक प्राप्त हुआ, उत्तराखण्डीय है कि मुख्यांग ने भित्तांड चेट सूरत से मुंगेर वाले अस्यासां तक मालांगरु के उपस्थानों की ओर दौड़ कर्मजांगीं वे लौटर दूरी से दूरी कठींदीर के लिए आये पर्यावरण और वाहनों विनां।

अंगदान और
प्रत्यारोपण

‘हृक अमर स्प्रिंगेन हाईस्टेटल एक बच्चे का अस्मानत है, जहाँ कोई अधिकारण शिक्षण नहीं है, अंगदाव प्रक्रिये के लिए रसायन को प्राप्तीस्टेट और जैविस्टेट तो जाग गया। ऐश्वर दाम डॉ. नानालाल नानाल, मुमुक्षु में अहंकार गोलाहर और उनकी टीम में, दोनों किंडनी अभिकीर्ति आयीं, अंगदावाद में डॉ. गोप्ता और अंगदी टीम में, क्रिकेटर अर्डे थेक के डॉ. प्रकाशन रायसाह ने अपनी दाम स्वीकार किया। दाम में प्राप्त किया गए लैवर का प्रत्यारोपण ग्राम केन्द्रोंका बड़ी, तो कैंपसों, जिला, नगरादार के अंगदावना नियमिती 12 मास के बच्चे में मुमुक्षु के नानाली रायसाह के डॉ. अनुरुग श्रीमाल, डॉ. गोप्ता पटेल, डॉ. अहंकार गोलाहर यह उनकी टीम द्वारा किया जा रहा है। अंगदावाद के अभिकीर्ति आयीं में ये नानाली रायसाह बच्चों में दोनों किंडनी प्राप्तीस्टेट की जागीः



हमारा येरा अच्छे बच्चों में अंग प्रत्यारोपण के माध्यम से जीवित है।

रियोंग के मातृ-सिंह वर्षी, परं और दादाजी अभ्यासधन ने कहा कि हम अक्षर अल्पालिमी में प्रतिक्रिया के बोरे में खड़े होते हैं। डोमेन न्हावक संसद के अंग दान चॉलिङ्गे के नामांग से हमें पाठा चढ़ा कि लॉटे बच्चों को ऐसे अंगों की नवाचार होती है। जब हाथरा वर्षा असिलक काग में मूँह हो जाती है, परं दूसरा विवरण यही वर्षी को अंग दान के व्यापार से नवा जीवन मिल रहा है, तो कुप्राण अंग दान के लिए अद्भुत वर्णन। हमारे दौरे के अंदरान के बाद ये, हमें विवरण हो जाएगा कि इन्हें बैठा अन्य वर्षी में अल प्रतिक्रिया के माध्यम से जीवित है। रियोंग के परिवर्तन में उनका प्रिया यात्रा, डान 28 वर्ष, जल अल्पालिमी में एचडब्ल्यूएफी नेट के हाथ लेने विभाग से संस्थान एकलोक्यमित्र के काम में काम करते हैं, मग वर्षी, उमा 30 वर्ष, जो एक मृगीनी है, दादा अभ्यासधन ड्रग 51 जो ओमोइट्टोरप्रय यहाँ काफ़ी से मानव नियन्त्रित है। यात्रा 24 जी जीवित है।

दादा अजपन्नकुमार, दादी येपनमेन, वसन्तभाई, सुधीरभाई, गजर और दान के महत्व और इसकी पूर्ण प्रतिष्ठिति के बारे में समझाया।

News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



खेलते समय पहली मजिल से गिरकर घायल हुआ था बच्चा, इलाज के दौरान चिकित्सकों ने घोषित किया ब्रेन डेड

20 माह के बच्चे के अंगों से 5 बच्चों को मिला नया जीवन



पत्रिका
द्युमन
एगल

सूरत से मुबई के अस्पताल में अंग पहुंचाने के लिए 281 किमी का बनाया ग्रीन कॉरिडोर

सूरत@पत्रिका: नए खाल की शुरूआत में डोनेटलाइफ संस्था द्वारा 20 महीने के बच्चे के ब्रेनडेड होने पर अंगदान करवाया है। लिवर, विहंगी और च्युओं के दान में पांच बच्चों को नया जीवन मिलेगा। लिवर को सूरत से मुबई पहुंचाने के लिए पहली बार सँझ क्षमा पर 281 किमी का ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया।

आनंदकारी के अनुसार, तोदर



पालनपूर मिनी वीरपुर मंदिर के पास फालनपूर कैनाल रोड ओमकार रेडिओसेर्ट निवासी यश अजय कुमार गंजर अडाजन रियत एक बैक के होमलैन विभाग में सेल्स एक्सीक्यूटिव वर्क कार्य करते हैं। उनका पुरे रियाश (20 माह) 28 दिसंबर को शाम 7 बजे खेलते-खेलते पहली मजिल से गिरकर घायल हो गया। उसको सिर में मंपी चोट आई और परिजनों ने उसे अपर

चिल्ड्रन अस्पताल में भर्ती करवाया। चिल्ड्रन कॉरिडोर ने इलाज के दौरान एक जनवरी को रियाश को ब्रेनडेड घोषित किया। यहां मिलने पर डोनेट लाइफ की टीम पहुंची और परिजनों को अंगदान के बारे में समझाया। वीरपुर से महाराति मिलने पर द्वेष्ट ऑर्गन ट्रांस्फर एंजिनियरेशन (एसओटीटीओ) से संपर्क किया गया। एसओटीटीओ ने दोनों किडनी उद्धमदब्द ब्रेन डेड होने के कारण दान नहीं हो सका। दान में

225 मिनट में लिवर पहुंचा मुबई

सूरत से मुबई लिवर रक्षक मर्ग से पहुंचने के लिए पहली बार 281 किमी का दौरा कॉरिडोर बनाया गया। इससे सूरत से 350 225 मिनट में मुबई नाणाकटी अस्पताल पहुंचाया गया। इसमें सूरत शहर, नाणाकटी, नवतारी, वलसाड और महाराष्ट्र के पुलिस

ने ग्रीन कॉरिडोर कारोबार में मदद की। मुजरात के बोर्डर मिलाइ एंकायोस्ट से मुबई अस्पताल तक ग्रीन कॉरिडोर के लिए महाराष्ट्र के ऊपर मुख्यमंत्री देवेन्द्र पाटेलवाला ने अद्य भूमिका निभाई। अब तक सूरत से अग्नि का पहुंचाने के लिए 113 ग्रीन कॉरिडोर कारोबार गए हैं।

मिला लिवर महाराष्ट्र की आमदनगर जिला कौपरसांच तहसील कोल्यावडी गांव निवासी 12 वर्षीय बच्चे में मुबई की नाणाकटी अस्पताल में ट्रांस्फर किया गया है। वहां, दोनों किडनी का अलादावाद आइकॉटीआरसी अस्पताल में दो जस्तराद मरीजों को ट्रांस्फर किया जाएगा। च्युओ का दान लोकवृक्ष च्युओके के ढांचे प्रकृत्या लियो ने स्वीकार किया।

20 माह के ब्रेन डेड रियांश के अंगदान से पांच बच्चों को नया जीवन दिया सूरत से मुंबई तक ग्रीन कॉरिडोर करके अंगों को समय पर पहुंचाया गया



सूरत: नए खाल की शुरूआत में डोनेट लाइफ संस्था की ओर से सूरत के एक बीम महान् बच्चे के अंग दान किए गए। श्री मुरुगी भोड़ा व्याचिक समाज के गवर्नर के परिवार ने 20 माह के ब्रेन डेड रियांश की किडनी, लिवर और अंगों दान कर पांच बच्चों को नया जीवन दिया और समाज को नई दिशा दिखाई। मुंबई के नवाबी अस्पताल में 12 खाल के एक बच्चे में लिवर ट्रांस्फर किया जाएगा, अहमदाबाद के आइकॉटीआरसी में दो जस्तराद बच्चों में किडनी प्रत्यारोपण किया जाएगा। सूरत से मुंबई अस्पताल तक अंगों को पहुंचाने सूरत, मुजरात और महाराष्ट्र पुलिस की मदद से ग्रीन कॉरिडोर का उपयोग किया गया।

घटना के विवरण के बारे में डोनेट लाइफ संस्था के निरीय मॉडलोवाला ने

जानकारी देते हुए कहा कि बी1, 104, अंकेकार रेडिओसेर्ट, पालनपूर-कैनाल रोड, सूरत निवासी यश अजय कुमार गंजर निजी बैंक में होम लोन विभाग में सेल्स दर्भंटनावल मीचे गिरने से उसके सिर में

गंभीर चोटें आईं। पिता यश और परिवार के अन्य सदस्य रियांश को तुरंत हीमिट्रल ले गए। 1 जनवरी को बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. महेश चंद्रशेखर, डॉ. कोरम वापेल, डॉ. पूजा मांकडिया, और न्यूयोर्कियिंगियन डॉ. चंद्रक देओजा ने रियांश को ब्रेन डेड घोषित किया।

ग्लबर परिवार के सुधारेभाई ने डोनेट लाइफ के संस्थापक नीलेश मॉडलोवाला में संपर्क किया और उन्हें रियांश के ब्रेन डेड होने की बानकारी दी। डोनेट लाइफ टीम अस्पताल पहुंची और रियांश के पिता यश, यश छनि, दादा अब्दुकुमार, दादी मेघवाले, नाना जी राजेशभाई, नानी हर्षवेन, रुचयना, सुधीरभाई, गवर्नर और परिवार के अन्य सदस्यों को अंग दान के महाव और इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में समझाया।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृत्यारान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

વીસ મહિનાના રિયાંશના કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરાયું

ગજજરના પરિવારના બ્રેઈનડેડ બાળકના અંગોના દાનથી પાંચને નવું જીવન મળશે

સુરત, ગુજરાત

સુરતની મોડ વિભાગ સમાજના બેઠનને રિયાંશ પણ નજરાત્મા પરિવારે એનેટ લાઈફ સંસ્કરન માધ્યમથી વીસ મહિનાના રિયાંશના કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરાયા પણ આપણેને નવજીવન મળશે.

પ્રાણ માટેની અનુસાર સુરત શહેરના પાલનપૂર ખાતે પાલનપૂર-કેનાલ રોડ, મૌની વીરપુર માર્કેટની પાલે, ઓમકાર રેસ્ટોરન્ટ્સમાં રહેતા પણ અજ્ઞાતુંકુમાર ગજજર અડાજાણમાં ડેઝીલાનેડમાં લોમલોન વિભાગમાં સેલ્ફ એક્સ્પ્રેસિવ નરીકે કરણ બજારે છે, નેમને વીસ મહિનાનો પુત્ર રિયાંશ ના. ૨૮ રીસેમનના રોજ રાને ૩૦૦ કલાકે પોતાના પરના પહેલા માણની આકૃતિક રીતે નીચે પડી જતા માણાના બેન્ફાન્ડ ઉજાને કથી હતી. પિતા પણ અને અન્ય પરિવારકુનોને તેને લાંબાની અમર વિશેષજ્ઞતામાં મેળું પણોલીની સારવાર હેઠળ દાખલ કર્યો હત્યો. જાણ ના. ૧ અન્યાની ના રોજ પીરીયાટ્રીયાન મેળું પણોલી, હે. કોરમ



વાંદ્યા, હે. પૂજા માંડિયા, નેને પીરીયાટ્રીયા નુરોકીડીસીન હે. મંદિક દેંગોજાને રિયાંશને બેઠનને જાહેર કર્યો હતો. બાદમાં નજરાત્મા પરિવારના નુરીનેનીએ એનેટ લાઈફકના રિયાંશ નિયંત્ર માંડિયાના ટેલીવિઝની પેંફ કરી રિયાંશના બેઠનને અનેની લાજુકરી આપી હતી. બાદમાં પિતાને વીસ મહિનાના રિયાંશ કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કર્યો હોય નામાંકાને નવજીવન મળશે. સુરતની મુખ્ય વિષય રોડ માંને કામગાર પણોયાયા

માટે હોય પ્રયત્ન કરાત સુરત વી મુખ્ય સુપીનો ૨૮૧ હિલોમીટરના તીન કોરીઓને નિયંત્ર કર્યો હતો. હેંમાં સુરત કોરે, સુરત જામ્ય, નવસારી જામ્ય, વલસાડ પાંચીસ લેમાડ મહારાષ્ટ્રના વિશેષ કલાકારીની સંસ્કૃતિને લાંબા માણની હતો ઉંલોદનનીએ હેં જુદાનાની બોર્ડ બ્લેન્ડ કે પોસ્ટ વી મુખ્યની નાલાકારી લોલિટા સુરતના તીન કોરીઓને મારાસારદ્દીના નાયા મુખ્યમંત્રી હેંબેન કિનારીસાંકુને પ્રયત્ન કર્યેને રાખી સાંકેર આપ્યો હતો.

ગજજર પરિવારના બ્રેઈનડેડ બાળકના અંગોના દાનથી પાંચને નવું જીવન મળશે

વીસ મહિનાના રિયાંશના કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરાયું



સુરત: સુરતી મોડ વિભાગ સમાજના ૨૦ મહિનાના બેઠનને રિયાંશ પણ ગજજરના પરિવારે એનેટ લાઈફ સંસ્કરન માધ્યમથી કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરાતાં પાંચ બાળકોને નવજીવન મળશે.

પ્રાણ માટીની અનુસાર શહેરના પાલનપૂર ખાતે પાલનપૂર-કેનાલ રોડ, ઓમકાર રેસ્ટોરન્ટ્સમાં રહેતા પણ અજ્ઞાતુંકુમાર ગજજર અડાજાણમાં HDFC બેંકમાં લોમલોન વિભાગમાં સેલ્ફ એક્સ્પ્રેસિવ નરીકે કરણ બજારે છે. તેમનો

વીસ મહિનાનો પુત્ર રિયાંશ વાંદ્યા, હે. પૂજા માંડિયા અને ૨૮ દિલેન્બરે ચારે પોતાના પરના પહેલા માણેથી આકસ્મિક હે. મંદિક દેંગોજાને રિયાંશને રીતે નીચે પડી જતાં માણાના ગંભીર હિંજ વઈ હતી. જેણી પરિવારજનનોને તેને તાત્કાલિક આજ્ઞાકરી આપવામાં આપત્તા અમર વિલ્યુન લોલિટલમાં પરિવારે અંગદાન માટે સંમતિ હે. મેલુલ પંચોલીને તાં સારવાર હેઠળ દાખલ કર્યો હતો. જ્યાં સોમવારે પીરીયાટ્રીયાન હે. કોરમ પંચોલ પંચોલી, હે. કોરમ

વીરીયાટ્રીયાન કરવામાં આવ્યું હતું. તેણે પાંચ બાળકોને નવજીવન મળશે.

" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાટ કિડની, લિવર, હટયાટાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

વીસ મહિનાના બ્રેઇનડેડ બાળકના અંગોના દાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન

(પ્રતિનિધિ દ્વારા)

સુરત, બુધવાર

સુરતી મોઢ વાણિક સમાજના બ્રેઇનડેડ રિયાંશ યશ ગજજરના પરિવારે ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાના માધ્યમથી વીસ મહિનાના રિયાંશના કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરાતા પાંચ બાળકોને નવજીવન મળશે.

**કિડની, લિવર, ચક્કાનું દાન: પાલનપુર કેનાલ રોડના ગજજરના
પરિવારનો રિયાંશ પહેલા માળેથી પટકાયો હતો**

પ્રામ માહિતી અનુસાર સુરત શહેરના પાલનપુર ખાતે પાલનપુર-કેનાલ રોડ, મીની વીરપુર મંદિરની પાસે, ઓમકાર રેસીડન્સીમાં રહેતા યશ અજ્ઞયકુમાર ગજજર અડાજણમાં HDFCબેંકમાં હોમલોન વિભાગમાં સેલ્સ એક્ઝિક્યુટિવ તરીકે ફરજ બજીવે છે, તેમનો વીસ મહિનાનો પુત્ર રિયાંશ તા. ૨૮ ડિસેમ્બરના રોજ રાત્રે ૭૬૦૦ કલાકે પોતાના ઘરના પહેલા માળે થી આકસ્મિક રીતે નીચે પડી જતા માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થઈ હતી. પિતા યશ અને અન્ય પરિવારજનોએ તેને તાત્કાલિક અમર ચિલ્ડન હોસ્પિટલમાં ડા. મેહુલ પંચોલીની સારવાર હેઠળ દાખલ કર્યો હતો. જ્યાં તા. ૧ જાન્યુઆરી ના રોજ પીડીયાટ્રીશયન ડા. મેહુલ પંચોલી, ડા. ફોરમ વાધેલા, ડા. પૂજા માંકડિયા, અને પીડીયાટ્રીક ન્યુરોફિઝીશીયન ડા. મયંક ટેગ્રોજાંએ રિયાંશને બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યો હતો. બાદમાં

ગજજર પરિવારના સુધીરભાઈએ ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક નિલેશ માંડલેવાલાનો ટેલીફોનીક સંપર્ક કરી રિયાંશના બ્રેઇનડેડ અંગેની જાણકારી આપી હતી. બાદમાં પરિવાર વીસ મહિનાના રિયાંશના કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરી પાંચ બાળકોને નવજીવન મળશે. સુરતથી મુંબઈ લિવર રોડ માર્ગ સમયસર પહોંચાડવા માટે સૌ પ્રથમ વખત સુરત થી મુંબઈ સુધીનો ૨૮૧ કિલોમીટરનો શ્રીન કોરીડોર બનાવવામાં આવ્યો હતો. જેમાં સુરત શહેર, સુરત ગ્રામ્ય, નવસારી ગ્રામ્ય, વલસાડ પોલીસ તેમજ મહારાષ્ટ્રના વિવિધ જલ્લા પોલીસનો સહકાર મળ્યો હતો ઉલ્લેખનીય છે કે ગુજરાતની બોર્ડર ભીલાડ ચેક પોસ્ટ થી મુંબઈની નાણાવટી હોસ્પિટલ સુધીના શ્રીન કોરીડોર માટે મહારાષ્ટ્રના નાયબ મુખ્યમંત્રી દેવેન્દ્ર ફડનવીસજી એ પ્રત્યક્ષ દેખરેખ રાખી સહકાર આપ્યો હતો.

" જીતે જી રહ્યાનાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હલ્યાટાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરતી મોટવણિક સમાજના ૨૦ મહિનાના બ્રેઇનડેડ ગજર રિયાંશના અંગદાનથી પાંચ બાળકના જીવન માં પ્રકાશ પથરાયો

સુરત, તા. ઉ

સુરતી મોટ વણિક સમાજના બ્રેઇનડેડ રિયાંશ યશ ગજરના પરિવારે ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાના માધ્યમથી વીસ મહિનાના રિયાંશના કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી માનવતા મહેકાવી હતી.

પાલનપુર-કેનાલ રોડ, મીની વીરપુર મંદિરની પાસે, ઓમકાર રેસીડન્સીમાં રહેતા યશ અજ્યકુમાર ગજર બેંકમાં પાલનપુર કેનાલની ઓમકાર રેસીડન્સીના હોમલોન વિભાગમાં સેલ્સ એક્ઝિક્યુટીવ તરીકે ફરજ બજાવે છે, બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યો: કિડની, લિવર અને તેમનો વીસ મહિનાનો પુત્ર રિયાંશ તા. ૨૮ ચક્ષુનું દાન કરી પરિવારે માનવતા મહેકાવી ડીસેબરના રોજ રાત્રે

૭:૦૦ કલાકે પોતાના ઘરના પહેલા માળે થી આકસ્મિક રીતે નીચે પડી જતા માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થઈ હતી. તેને તાત્કાલિક અમર ચિલ્ડ્રન હોસ્પિટલમાં ડો. મેહુલ પંચોલીની સારવાર હેઠળ દાખલ કર્યો હતો. જ્યાં તા. ૧ જાન્યુઆરી ના રોજ પીડીયાટ્રીશયન ડો. મેહુલ પંચોલી, ડો. ફોર્મ વાધેલા, ડો. પૂજા માંકડિયા, અને પીડીયાટ્રીક ન્યુરોફીઝિશીયન ડો.

મયંક દેન્નોજાએ રિયાંશને બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યો હતો. બાદમાં ગજર પરિવારના સુધીરભાઈએ ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક નિલેશ માંડલેવાલાનો ટેલીફોનીક સંપર્ક કરી રિયાંશના બ્રેઇનડેડ અંગેની જાણકારી આપી હતી.

બાદમાં પરિવારે વીસ મહિનાના રિયાંશના કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી પાંચ બાળકોને નવજીવન મળ્યે. પછી પાંચ બાળકોને સુરતથી મુંબઈ લિવર રોડ માર્ગ સમયસર પહોંચાડવા માટે સૌ પ્રથમ વખત સુરત થી મુંબઈ સુધીનો ૨૮૧ કિલોમીટરનો ગ્રીન

કોરીડોર બનાવવામાં આવ્યો હતો. જેમાં સુરત શહેર, સુરત ગ્રામ્ય, નવસારી ગ્રામ્ય, વલસાડ પોલીસ તેમજ મહારાષ્ટ્રના વિવિધ જલ્લા પોલીસનો સહકાર મળ્યો હતો. ઉલ્લેખનીય છે કે ગુજરાતની બોર્ડર ભીલાડ ચેક પોસ્ટ થી મુંબઈની નાણાવટી હોસ્પિટલ સુધીના ગ્રીન કોરીડોર માટે મહારાષ્ટ્રના નાયબ મુખ્યમંત્રી દેવેન્દ્ર ફડનવીસજી એ પ્રત્યક્ષ દેખરેખ રાખી સહકાર આપ્યો હતો.

" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હલ્યાટાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ડોનેટ લાઈફ દ્વારા વીસ મહિનાના બાળકના અંગોનું દાન કરાવાયું

સુરતી મોઢ વણિક સમાજના બ્રેઇનડેડ રિયાંશ ગજજરના પરિવારે રિયાંશના કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી પાંચ બાળકોને નવજીવન બક્ષ્યું

मुरल, ना. ४८
अंग्रेज रेस्टूरन्टी, पालकपुर-
निवास में, बीती चाहूँ भविति-
पाली, पालकपुर, सुनहरा खाले थे।
अंग्रेज अज्ञान अंग्रेजों के द्वारा
लोकानन विकाशन में लो-
कसंवर्तीय लोटी करके आवास
का अधिकार लोकसंवर्तीय वीर-
महिलानों के द्वारा दिया गा. २८
सिवाराम दास नाम ३०० अल्प
समाज पर्याप्त विवाह की कामा
भाषण मनोरंजन करती है। नेत-

A group of people, including adults and children, are gathered around a hospital bed. They are clapping their hands and smiling. In the center of the group, a young child is smiling. An inset photo in the upper right corner shows a close-up of the same young child smiling.

କିମ୍ବାନ୍ତି ଦୁଇଅଧୀନରେ ଏହି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଆଶ୍ରମାଳାରେ ଆଗରେଲେ ପିଲାକାରୀରେ ବେଳେ ଜୁହୁରୀତମାତ୍ର ଆଶ୍ରମରେ କରାଯାଇଥାଏନ୍ତି।

આડાજણ-પાલનપુરનો રિયાંશ પહેલા માળેથી પટકાયો હતો
20 માસના બ્રેનડેડ બાળકનાં અંગોનાં
દાન સાથે 5 બાળકોને નવજીવન મળ્યું
 અહેમદનગરના 12 વર્ષના બાળકમાં લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

● DONATE LIFE ●

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

DATE: JANUARY, 2006 TO 03TH JANUARY, 2024



494
KIDNEY



213
LIVER



50
HEART



46
LUNGS



08
PANCREAS



01
INTESTINE



389
CORNEA



04
HANDS

Total **1205** Organs & Tissues donated,
which has given New Life & Vision to **1106** persons
across Country & Globe.

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयान..."